

विरंजक वि. (तत्.) कपड़ों आदि का रंग उड़ाने वाला अथवा उनका रंग कम करने वाला।

विरंजन पुं. (तत्.) रसा. रसायनिक क्रिया द्वारा अथवा सूर्य के प्रकाश में किसी पदार्थ को रंगहीन करना अथवा उसका रंग फीका पड़ जाता है।

विरंजन-चूर्ण पुं. (तत्.) रसा. कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड और क्लोरीन से तैयार एक व्यावसायिक चूर्ण जो विरंजन (रंग उड़ाने) में प्रयुक्त होता है।

विरक्त वि. (तत्.) जिसके स्वभाव, रंग आदि में बदलाव आ गया हो, अननुरक्त, उदासीन, खिन्न।

विरक्ति स्त्री. (तत्.) 1. चित्तवृत्ति में परिवर्तन, असंतुष्टि, स्नेह, शून्यता 2. अलगाव 3. उदासीनता, इच्छा का अभाव, सांसारिक आसक्तियों से मुक्त।

विरचन पुं. (तत्.) 1. क्रम व्यवस्थान, सजाने की क्रिया 2. रचना करना, संरचना।

विरचना स.क्रि. (तद्.) निर्माण करना, सजाना, विरक्त होना, उदासीन होना।

विरचित वि. (तत्.) पूरा किया हुआ, लिखित, रचित, निर्मित उदा. जयशंकर प्रसाद विरचित 'कामायनी'।

विरज वि. (तत्.) जिस पर धूल-मिट्टी न हो, स्वच्छ, जिसमें राग न हो, निष्कलुष, निष्पाप।

विरजतन वि. (तत्.) रसा. किसी पदार्थ में से चाँदी को अलग करना।

विरजा स्त्री. (तत्.) 1. दूर्वा 2. कपित्थानी नाम का एक पौधा 3. जगन्नाथ क्षेत्र 4. कृष्ण की एक सखी 5. नहुष की पत्नी।

विरत वि. (तत्.) 1. जिसका अंत हो गया हो 2. बंद किया हुआ, रुका हुआ 3. थका हुआ, विश्रांत 4. जिसने हाथ खींच लिया हो 5. विरक्त, अननुरक्त।

विरति स्त्री. (तत्.) 1. सांसारिक वासनाओं के प्रति उदासीनता 2. मन का हट जाना, विराग।

विरथ वि. (तत्.) जिसके पास रथ न हो, रथ-रहित उदा. 'रावण रथी', विरथ रघुवीरा।-रामचिरतमानस, तुलसीदास।

विरद पुं. (तद्.) 1. प्रसिद्धि, नाम 2. यश, कीर्ति उदा. "बड़े न हूँ गुन विन, विरद बढ़ायी पाय"।-रहीम 3. जिसके दाँत न हो, दंतहीन।

विरदावली स्त्री. (तद्.) किसी के गुणों का वर्णन करना, गुणवर्णन, कीर्ति कथा।

विरदैत वि. (देश.) नामवर, यशस्वी।

विरम पुं. (तत्.) 1. समाप्ति, अंत 2. सूर्यास्त 3. त्याग।

विरमण पुं. (तत्.) 1. रुकना, ठहरना 2. हाथ खींच लेना, त्याग करना 3. रमना।

विरमना अं.क्रि. (तद्.) 1. मरना, मन लगाना 2. ठहरना 3. मुग्ध होकर रुक जाना 4. देर लगाना।

विरमाना अ.क्रि. (तद्.) 1. मुग्ध करना 2. फँसा रखना 3. भ्रम में डाले रखना।

विरल वि. (तत्.) 1. छिद्रों से युक्त, जिसके बीच में अंतराल हो 2. सहज सुलभ न होना 3. बारीक 4. ढीला 5. पतला पुं. जमाया हुआ दूध, दही।

विरला वि. (तद्.) 1. विरल 2. दुर्लभ।

विरलीकरण पुं. (तत्.) सघन को विरल करने की क्रिया।

विरव वि. (तत्.) बिना शब्द का, नीरव, निःशब्द।

विरस वि. (तत्.) 1. स्वाद रहित, फीका, नीरस 2. अप्रिय, अरुचिकर, पीड़ाकर, कष्टकर 3. क्रूर, निर्दय पुं. 2. रस का अभाव 2. साहित्य में वह स्थिति जो रसक के विपरीत हो।